सूचना

पुलिस महानिरीक्षक (मुख्यालय) बिहार, पटना के पत्र के आलोक में महाविद्यालय छात्र / छात्राओं के बीच **'साईबर क्राईम'** / **'शोसल मिडिया'** / **'आर्थिक अपराध'** विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं सेमिनार का आयोजन **दिनांक:26-02-2020** को करने जा रहा है। विभागाध्यक्ष अपने विभाग के सभी विद्यार्थियों को अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता के लिए प्रेरित करेगें। इस कार्यक्रम में शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मी एवं छात्र / छात्राओं की उपस्थिति अपेक्षित है।

समय :- 11.00 बजे पूर्वाह्न में

आयोजन स्थल :- सभागार, एच. डी. जैन कॉलेज, आरा।

25-02-2020

प्रधानाचार्य

एच. डी. जैन कॉलेज, आरा

तैयारी शुरू कर दी है। मौलाबाग निवासी सुमन कुमार शर्मा जिसके बाद उनके मोबाइल पर आवेदन दिया है। आकाश ने किया। गए आवेदन के माध्यम से सुमित

सेमिनार • जैन कॉलेज में साइबर क्राइम, और आर्थिक अपराध पर चर्चा, छात्राओं के लिए ऐप की सुविधा, एक क्लिक पर पहुंचेगी पुलिस

जिले में अब ऑनलाइन बनेगा कैरेक्टर सर्टिफिकेट : एसपी

एजुकेशन रिपोर्टर | आरा

भोजपुर जिले में कैरेक्टर सर्टिफिकेट बनाने के लिए अब आवेदकों को थानों व कार्यालय का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा। मेला या अन्य बहाली के दिनों में एसपी ऑफिस में आवेदकों की लंबी लाइन लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भोजपुर पुलिस इस प्रक्रिया में बदलाव ला रही है। मार्च से अब आवेदकों को ऑनलाइन कैरेक्टर सर्टिफिकेट की सुविधा मिल सकती है। यह घोषणा एसपी सुशील कुमार ने बिहार पुलिस सप्ताह के तहत जैन कॉलेज में आहूत सेमिनार में किया। साइबर क्राइम, सोशल मीडिया और आर्थिक अपराध, सेमिनार का विषय था। अपने संबोधन में एसपी ने कहा कि संभवतः 15 मार्च से जिले के लोगों को इसका लाभ मिलने लगेगा। अब कैरेक्टर सर्टिफिकेट बनाने के लंबी कतार में खड़ा होने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। आवेदक के मोबाइल फोन पर मैसेज आएगा। जिसके बाद अभ्यार्थी थाने में जाकर अपना सत्यापन कराएंगे। कैरेक्टर सर्टिफिकेट बन जाने के बाद भी मोबाइल पर मैसेज आएगा कि आपका सर्टिफिकेट बन चुका है। सिर्फ मुहर लगाने के लिए एसपी कार्यालय आना होगा। सेमिनार में साइबर क्राइम, सोशल मीडिया और आर्थिक अपराध; विषय पर प्रोजेक्टर के माध्यम से पर्दे पर प्रेजेंटेशन भी दिखाया। अभी सोशे-आज सबसे ज्यादा फेसबुक पर फॉलोअर अपने देश के ही लोग हैं।

जैन कॉलेज में सेमिनार को संबोधित करते एसपी।

प्रतिदिन 54 प्रतिशत लोग फेसबुक का इस्तेमाल कर रहे हैं। प्रतिदिन 60 प्रतिशत लोग व्हाट्सएप पर पोस्ट करते हैं। यूट्यूब पर वीडियो देखने का प्रचलन बढ़ा है। सोशल मीडिया पर मैसेज, फोटो एवं वीडियो कहीं भी भेजे जा सकते हैं। भावात्मक वीडियो भेजकर लोगों को गुमराह किया जा सकता है। इस पर समझदारी दिखाने की जरूरत है। साइबर क्राइम पर अंकुश लगाने के लिए आईटी एक्ट बनाया गया है। इसमें 65-ए एवं 67-बी के तहत पांच वर्ष की सजा हो सकती है। अश्लील गतिविधियों पर 7-10 साल की सजा का प्रावधान है। चीन जैसे देश फेसबुक एवं व्हाट्सएप पर रोक लगा चुके हैं।

पढ़ने के लिए उपयोग करें यू-ट्यूब

सेमिनार में प्राचार्य डॉ शैलेंद्र ओझा ने कहा कि युवा यूट्यूब का इस्तेमाल एजुकेशन के लिए करें। गूगल एप पर हर चीज मौजूद है। फेसबुक, व्हाट्सएप एवं स्नैपचैट पर समय बर्बाद न करें। प्राचार्य ने साइबर स्टॉकिंग एवं बुलिंग के बारे में बताया, ऑनटाइम ओटीपी को शेयर नहीं करने की सलाह दिया। मंच संचालन प्रो. पूर्ति माथुर एवं प्रो. तब्बसुम ने किया। कहा कि आज फेसबुक एवं व्हाट्सएप पूरी दुनिया को गांव बना चुका है। बड़े दुर्भाग्य की बात है कि लोगों को यह अपने ही घर में बेगाना बना चुका है। स्वास्थ्य एवं समाज दोनों के लिए यह हानिकारक है। छात्रा अनामिका सिंह एवं पायल सिंह ने कहा कि आज सब कुछ ऑनलाइन हो चुका है। चाहे वह किसी चीज की शॉपिंग हो या ट्रांजेक्शन। यदि मोबाइल या ई-मेल पर कोई भी मैसेज आता है, तो डिटेल पढ़कर ही सत्यापित करें। सेमिनार में साइबर सेल के प्रभारी रामविलास कुमार एवं प्रो अंजली गुप्ता सहित कई उपस्थित थे। महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए भोजपुर पुलिस एक अलग एप लांच करने जा रही है। इसका लाभ छात्राएं उठा सकती हैं। भोजपुर में भी यह ऐप जल्द शुरू हो जाएगा। यदि लड़कियों के साथ कोई घटना होती है, तो थाने में मैसेज अलर्ट चला जाएगा। जिस पर संबंधित थाना त्वरित कार्रवाई करेगी।

26.02.2020

'साईबर क्राइम / सोशल मिडिया / आर्थिक अपराध' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं सेमिनार का आयोजन दिनांक 26.02.2020 को किया गया।

इस कार्यक्रम मे सभी स्वयंसेवक अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए अपनी सेवाएं प्रदान की। बिहार पुलिस सप्ताह के तहत H.D. जैन कॉलेज मे सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार मे प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र ओझा ने कहा कि यू-ट्यूब का इस्तेमाल अध्ययन-अध्यापन के लिए किया जाना चाहिए।

सेमिनार मे साइबर सेल के प्रभारी रामविलास कुमार एवं प्रो. अंजली गुप्ता सहित कई अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित थे।

साइबर सेल प्रभारी ने साइबर क्राइम स्टाकिंग एवं बुलिंग के बारे मे विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

मंच संचालन डॉ. पूर्ति माहौर एव डॉ. तबस्सुम बानो ने किया।

सेमिनार मे साइबर क्राइम सोशल मिडीया और आर्थिक अपराध विषय पर प्रोजेक्टर के माध्यम से पर्दे पर प्रोजेक्शन दिखाया गया

तैयारी शुरू कर दी है। ... मौलाबाग निवासी सुमन कुमार शर्मा जिसके बाद उनके मोबाइल पर आवेदन दिया है। ... आवेदन ने किया। ... पर आवेदन के माध्यम से सूचित

सेमिनार • जैन कॉलेज में साइबर क्राइम, और आर्थिक अपराध पर चर्चा, छात्राओं के लिए ऐप की सुविधा, एक क्लिक पर पहुंचेगी पुलिस

जिले में अब ऑनलाइन बनेगा कैरेक्टर सर्टिफिकेट : एसपी

एजुकेशन रिपोर्टर | आरा

भोजपुर जिले में कैरेक्टर सर्टिफिकेट बनाने के लिए अब आवेदकों को थानों व कार्यालय का चक्कर नहीं काटना पड़ेगा। मेला या अन्य बहाली के दिनों में एसपी ऑफिस में आवेदकों को लंबी लाइन लगाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। भोजपुर पुलिस इस प्रक्रिया में बदलाव कर रही है। मार्च से अब आवेदकों को ऑनलाइन कैरेक्टर सर्टिफिकेट की सुविधा मिल सकती है। यह घोषणा एसपी सुशील कुमार ने बिहार पुलिस सप्ताह के तहत जैन कॉलेज में आयोजित सेमिनार में किया। साइबर क्राइम, सोशल मीडिया और आर्थिक अपराध, सेमिनार का विषय था। अपने संबोधन में एसपी ने कहा कि संभवतः 15 मार्च से जिले के लोगों को इसका लाभ मिलने लगेगा। अब कैरेक्टर सर्टिफिकेट बनाने के लंबी कतार में खड़ा होने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। आवेदक के मोबाइल फोन पर मैसेज आएगा। जिसके बाद अभ्यर्थी थाने में जाकर अपना सत्यापन कराएंगे। कैरेक्टर सर्टिफिकेट बन जाने के बाद भी मोबाइल पर मैसेज आएगा कि आपका सर्टिफिकेट बन चुका है। सिर्फ मुहर लगाने के लिए एसपी कार्यालय आना होगा। सेमिनार में साइबर क्राइम, सोशल मीडिया और आर्थिक अपराध, विषय पर प्रोजेक्टर के माध्यम से पर्दे पर प्रेजेंटेशन भी दिखाया। अभी फेसबुक पर सबसे ज्यादा फेसबुक पर फॉलोअर अपने देश के ही लोग हैं।

जैन कॉलेज में सेमिनार को संबोधित करते एसपी।

प्रतिदिन 54 प्रतिशत लोग फेसबुक का इस्तेमाल कर रहे हैं। प्रतिदिन 60 प्रतिशत लोग व्हाट्सएप पर पोस्ट करते हैं। यूट्यूब पर वीडियो देखने का प्रचलन बढ़ा है। सोशल मीडिया पर मैसेज, फोटो एवं वीडियो कहीं भी भेजे जा सकते हैं। भावनात्मक वीडियो भेजकर लोगों को गुमराह किया जा सकता है। इस पर समझदारी दिखाने की जरूरत है। साइबर क्राइम पर अंकुश लगाने के लिए आईटी एक्ट बनाया गया है। इसमें 66-ए एवं 67-बी के तहत एफआईआर की जा सकती है। अपराधी गतिविधियों पर 7-10 साल की सजा का प्रावधान है। चीन जैसे देश फेसबुक एवं व्हाट्सएप पर रोक लगा चुके हैं।

पढ़ने के लिए उपयोग करें यू-ट्यूब

सेमिनार में प्राचार्य डॉ शैलेंद्र ओझा ने कहा कि युवा यूट्यूब का इस्तेमाल एजुकेशन के लिए करें। गूगल एप पर हर चीज मौजूद है। फेसबुक, व्हाट्सएप एवं स्नैपचैट पर समय बर्बाद न करें। प्राचार्य ने साइबर स्टॉकिंग एवं बुलिंग के बारे में बताया, ऑनलाइन ओटीपी को शेयर नहीं करने की सलाह दिया। मंच संचालन डॉ. पूर्ति माहौर एवं प्रो. तबस्सुम ने किया। कहा कि आज फेसबुक एवं व्हाट्सएप पूरी दुनिया को गांव बना चुका है। बड़े दुर्भाग्य की बात है कि लोगों का दम अपने ही घर में घुटना शुरू है। स्वास्थ्य एवं सम्मान दोनों के लिए यह हानिकारक है। छात्रा अर्चना सिंह एवं पायल सिंह ने कहा कि आज सब कुछ ऑनलाइन हो चुका है। चाहे वह किसी चीज की शॉपिंग हो या ट्रांजेक्शन। यदि मोबाइल या ई-मेल पर कोई भी मैसेज आता है, तो डिटेल पढ़कर ही सत्यापित करें। सेमिनार में साइबर सेल के प्रभारी रामविलास कुमार एवं प्रो अंजली गुप्ता सहित कई उपस्थित थे। महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए भोजपुर पुलिस एक अलग एप सरकार लांच करने जा रही है। इसका लाभ छात्राएं उठा सकती हैं। भोजपुर में भी यह ऐप जल्द शुरू हो जाएगा। यदि लड़कियों के साथ कोई घटना होती है, तो थाने में मैसेज अलर्ट चला जाएगा। जिस पर संबंधित थाना त्वरित कार्रवाई करेगी।